एम ए एस ओ

समाजशास्त्र में स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम

प्रथम वर्ष

एम.ए. समाजशास्त्र

जनवरी 2026 एवं जुलाई 2026 सत्र में प्रवेश प्राप्त विद्यार्थियों हेतु

एमएसओई 105 : **नगरीय समाजशास्त्र का परिचय**

इग्नू जन-जन का विश्वविद्यालय

समाजशास्त्र संकाय
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदानगढ़ी, नई दिल्ली–110068

पाठ्यक्रम कोड : एमएएसओ
सत्रीय कार्य कोड : एमएसआई-105/सत्रीय कार्य/ टीएमए/2026

प्रिय विद्यार्थी,

समाजशास्त्र मेंस्नातकात्तर उपाधि कार्यक्रम (एम.ए. समाजशास्त्र) केसदंर्भ मेंकायर्क्रम दर्शिका मेंहमन बताया है कि समाजशास्त्र केप्रत्येक पाठयक्रम केलिए आपकोएक ***अध्यापक*** जाँच सत्रीय कार्य (टीएमए) पूरा करना होगा।

इन सत्रीय कार्यों में प्रश्न पूछने का अर्थ आपकी योग्यता का पता लगाना है कि आप प्रश्न का वर्णन, विश्लेषण एवं आलोचनात्मक दृष्टि से इसे कैसे स्पष्ट करते ह और इससे यह भी सुनिश्चित होगा कि आपको विषयवस्तु की संपूर्ण जानकारी हैं और आप इस पर क्रमबद्ध एवं संसक्त ढंग से लिख सकते हैं। प्रत्येक सत्रीय कार्य में कुल मिलाकर दस प्रश्न हैं और यह दो भागों में विभाजित है। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न शामिल हैं।

प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 500 शब्दों में दें। हमारा परामर्श है कि इन सत्रीय प्रश्नों को अपने सहपाठी तथा अकादमिक परामर्शदाता से चर्चा करके लिखने का प्रयास करें। जरूरी है कि आप सभी प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में दें।

सत्रीय कार्य पूरा करके संबद्ध अध्ययन केंद्र के संयोजक को इसे निम्नलिखित समय–सूची के अनुसार भेज दें :

सत्रीय कार्य	**जमा कराने की तारीख**	**किसे भेजें**
जनवरी 2026 सत्र में प्रवेश प्राप्त विद्यार्थी	**30 सितम्बर, 2026**	**संबद्ध अध्ययन केन्द्र का संयोजक**
जनवरी 2026 सत्र में प्रवेश प्राप्त विद्यार्थी	**31 मार्च, 2027**	

जमा कराए गए सत्रीय कार्य के लिए अध्ययन केंद्र से रसीद अवश्य लें और इसे अपने पास रखें। यदि संभव हो तो सत्रीय कार्यों की प्रतिलिपि अवश्य रखें। मूल्यांकन के बाद अध्ययन केंद्र द्वारा सत्रीय कार्यों को लौटाना होगा। कृपया इसके लिए आग्रह करें। अध्ययन केंद्र को मूल्यांकन के बाद अंक, विद्यार्थी पंजीकरण एवं मूल्यांकन प्रभाग, इग्नू, नई दिल्ली को भेजना ज़रूरी होता है।

सत्रीय कार्य करते समय कुछ ज़रूरी बातों को ध्यान में रखना

सत्रीय कार्य करते समय निम्नलिखित बिंदुओं को ध्यान में रखना उपयोगी होगा :

1 **नियोजन :** सत्रीय, कार्यों को सावधानी से पढ। इनसे जुड़ी इकाइयों का अध्ययन भलीभाँति करें। प्रत्येक प्रश्न से जुड़े उपयोगी बिंदुओं पर ध्यान केंद्रित करें और फिर उन्हें तार्किक दृष्टि से क्रमबद्ध करें।

2 **व्यवस्थापन** : पक्का उत्तर लिखने से पहले कच्चा कार्य करें और फिर उत्तर लिखें। प्रारंभिक और अंतिम भाग की ओर पर्याप्त ध्यान दें।

3 **प्रस्तुति** : अपने उत्तर से संतुष्ट हों तो जमा कराने के नज़रिए से पक्का उत्तर लिखें। उत्तर साफ–साफ लिखें और जरूरी बिदुओं को रेखांकित करें। प्रत्येक उत्तर निर्धारित सीमा में होना आवश्यक है।

शुभकामनाओं सहित!

कार्यक्रम संयोजक
एम.ए.समाजशास्त्र
समाजशास्त्र संकाय
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इग्नू, मैदान गढी, नई दिल्ली–110068

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
एम.ए. समाजशास्त्र में ऐच्छिक पाठ्यक्रम

एमएसओइ 105 : नगरीय समाजशास्त्र का परिचय

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टीएमए)

कुल अंक : 100
कार्यक्रम कोड : एमएएसओ
अधिभारिता : 30%
पाठ्यक्रम कोड : एमएसओइ 105
सत्रीय कार्य कोड : एम.एस.ओ.इ–105/सत्रीय कार्य/टीएमए/2026

किन्हीं पाँच प्रश्नों (प्रत्येक) का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए।

अंक

1. नगरीय समाजशास्त्र क्या है? इसके विषय-वस्तु पर चर्चा कीजिए। 20

2. 'नगरीय' की अवधारणा पर चर्चा कीजिए। भारतीय जनगणना के विशेष संदर्भ में नगरीय की परिभाषा दीजिए। 20

3. नगर को परिभाषित करने के विभिन्न आधारों का परीक्षण कीजिए। नगर को परिभाषित करने का अधिक उपयुक्त तरीका क्या हो सकता है? 20

4. नगरीय प्रघटनाओं के अध्ययन के लिए ग्रामीण–नगरीय सातत्य (continuum) दृष्टिकोण पर चर्चा कीजिए। इसकी प्रमुख आलोचनाएँ क्या हैं? 20

5. नगरीय समाजशास्त्र में पारिस्थितिकीय दृष्टिकोण की व्याख्या कीजिए। इस दृष्टिकोण की प्रमुख आलोचनाएँ क्या हैं? 20

6. नगरों की संरचना को समझने के लिए शोषणात्मक मॉडल पर चर्चा कीजिए। यह नगर संरचना को समझाने वाले अन्य मॉडलों से किस प्रकार भिन्न है? 20

7. नगरीय क्षेत्रों की सामाजिक विशेषताओं को समझने के लिए सामाजिक क्षेत्र विश्लेषण की अवधारणा एवं तकनीक की व्याख्या कीजिए। इसकी प्रमुख सीमाएँ क्या हैं? 20

8. औपनिवेशिक काल में कोलकाता नगर के विभिन्न भागों का वर्णन कीजिए तथा उनके सामाजिक महत्व को स्पष्ट कीजिए। 20

9. भारत में नगरीकरण की नवीन प्रवृत्तियों एवं प्रतिरूपों का विश्लेषण कीजिए। 20

10. भारत में नगरीय समाजशास्त्र के विकास पर चर्चा कीजिए। 20